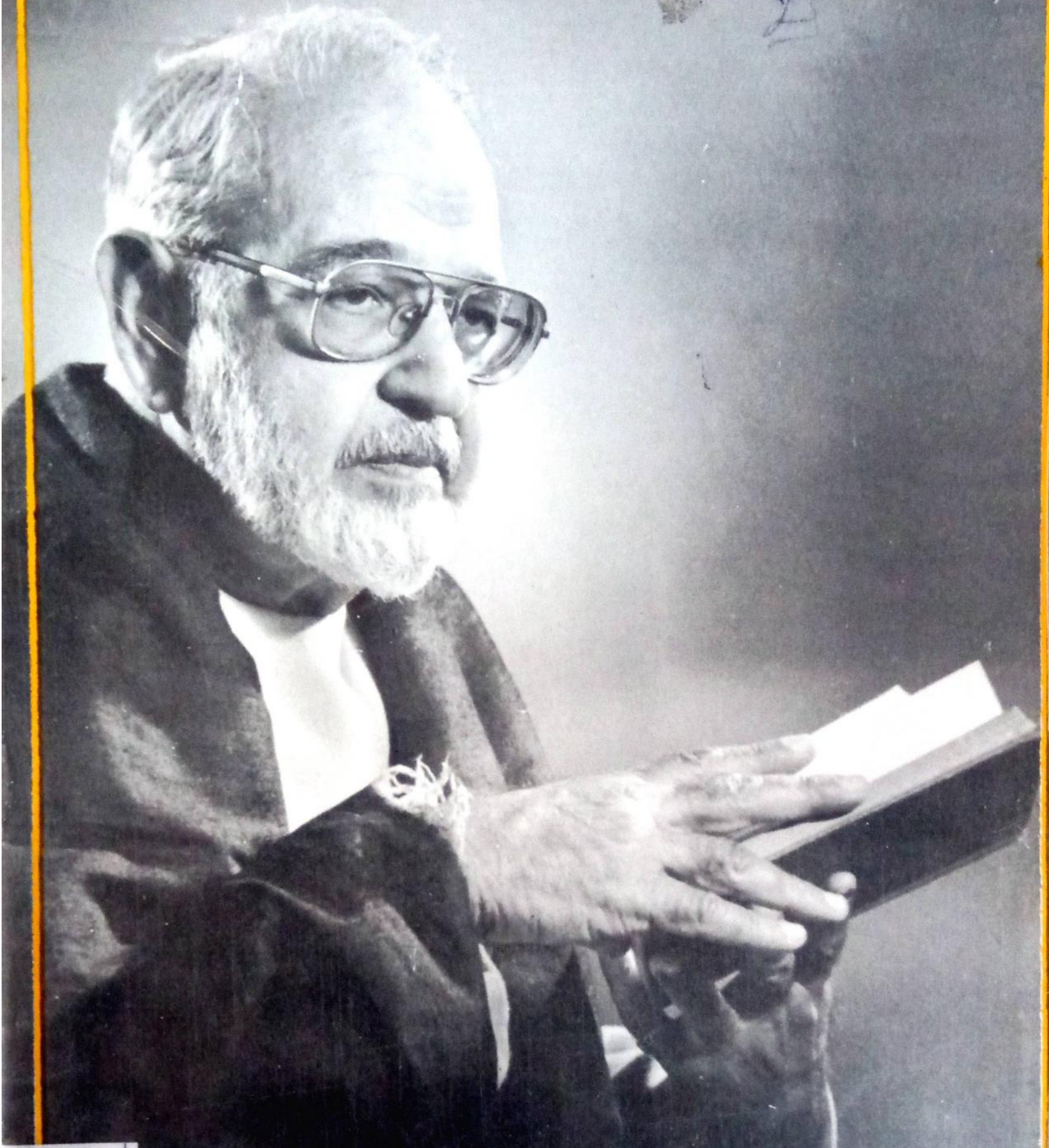


23



पुनी हुई कविताएं  
'अज्ञेय'

25282

## क्रम

कलगी बाजरे की	21
उड़ चल, हारिल	23
मैं वह धनु हूँ	25
कितनी शान्ति ! कितनी शान्ति !	26
पानी बरसा	29
पराजय है याद	30
दूर्वाचल	31
शरद	32
कतकी पूनो	34
क्वाँर की बयार	35
बन्धु हैं नदियाँ	36
नदी के द्वीप	37
प्रथम किरण	39
वसन्त गीत	41
ये मेघ साहसिक सैलानी	43
जनवरी छब्बीस	46
उषा-दर्शन	49
वहाँ—रात	50
चाँदनी जी लो	52
हवाएँ चैत की	54
अन्धड़	55
यह दीप अकेला	57
मैं वहाँ हूँ	59

टेसू	63
साँप	64
इतिहास की हवा	65
हवाई यात्रा : ऊँची उड़ान	70
खुल गयी नाव	72
योगफल	73
सर्जना के क्षण	74
शब्द और सत्य	75
औद्योगिक बस्ती	76
रात में गाँव	77
धूप	78
पहाड़ी यात्रा	79
चुप-चाप	80
सोन-मछली	81
सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान	82
जीवन-छाया	84
मैं ने देखा : एक बूँद	85
हिरोशिमा	86
ब्राह्म-मुहूर्त : स्वस्तिवाचन	88
भीतर जागा दाता	90
अनुभव-परिपक्व	93
चिड़िया ने ही कहा	94
अन्तःसलिला	96
चक्रान्त शिला	98
आँगन के पार द्वार खुले	100
असाध्य वीणा	101
सन्ध्या-संकल्प	112
नाता-रिश्ता	114
पेरियार	117
हेमन्त का गीत	119
एक दिन चुक जायेगी हर बात	125
सम्पराय	126
उन्होंने घर बनाया	130
तुम्हें क्या	132

औपन्यासिक	134
देहरी पर	137
काँपती है	139
कन्हारई ने प्यार किया	140
याद	141
सागर-मुद्रा-12	142
बड़े शहर का एक साक्षात्कार	145
मुझे आज हंसना चाहिए	148
वन-भरने की धार	150
जो पुल बनायेंगे	152
विदेश में कमरे	153
नन्दा देवी-1	155
नन्दादेवी-3	156
नन्दादेवी-6	157
नन्दादेवी-7	158
नन्दादेवी-9	160
नन्दादेवी-14	161
नाच	162
जाड़ों में	164
वीणा	165
साल दर साल	167
जरा व्याध	169
हँसती रहने देना	173
घरती का गीत	175
मैंने पूछा क्या कर रही हो	177
नदी की बाँक पर छाया	179
कदम्ब कालिन्दी	181
अलाव	183
वासन्ती	184
घर	185
चीनी चाय पीते हुए	188
सारस अकेले	190
कौन खोले द्वार	191
बोलो चिड़िया	192